मैं टीचर बनना चाहती हूँ

विजेता कुमारी

मैं टीचर बनना चाहती हूँ

मैं बड़ी होकर अध्यापिका बनना चाहती हूँ
ताकि मैं बच्चों को अच्छी बातें सिखा सकूँ
और वह बड़े होकर कुछ बनें मैं उनकी
सहायता कर सकूँ और उनके माता-पिता
को खुशी दे सकूँ। और इसके साथ उनको
गाना सिखाऊँ और खेल भी करवाऊँ इससे
उनका मन भी लगे और पढ़ने में भी
मन लगे!

नाम => विजेता कुमारी
कक्षा => IV C
निगम प्रतिभा कन्या विद्यालय।

13

मैं डॉक्टर बनना चाहती हूँ

सुनिती कुमारी

मैं डॉक्टर बनना चाहती हूँ

मैं बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती हूँ। मैं डॉक्टर बनकर मरीजो का इलाज करूँगी। मैं बड़ी होकर माता-पिता का नाम रोशन करना चाहती हूँ। मैं मुफ्त में ही लोगो का इलाज करूँगी। मैं डॉक्टर बनकर लोगो की सहायता करूँगी। समाज में जितने भी लोग बीमार है उनका भी इलाज करूँगी। मलेरिया का इलाज करूँगी। मैं एक अच्छी नागरिक बनूँगी। मैं बड़ी होकर सब बच्चों से यही कहूँगी की सबको सब्जी-फल खानी चाहिए।

धन्यवाद

सहित

Date 10-12-13

नाम - सुनिती कुमारी

कक्षा - X सेक्शन - C

रोल नं० 6